>

Title: Need to improve transport and other tourist facilities to pilgrims visiting the Amarnath Shrine in Jammu and Kashmir.

***श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल) :** मैं इस सदन का ध्यान अमरनाथ यात्रा में तीर्थयात्रियों को होने वाली परेशानियों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। अमरनाथ यात्रा में जाने वाले श्रद्धालु जब श्रीनगर एयरपोर्ट से बाहर आते हैं तो सर्वप्रथम यातायात के साधनों की कमी से रूबरू होना पड़ता है। वहां प्री-पेड टैक्सी, रोडवेज बस या टूरिस्ट बस उपलब्ध न होने के कारण प्राइवेट टैक्सी ही केवल यात्रा का साधन है और टैक्सी वाले श्रद्धालुओं से मनमाना किराया 400-500 रूपए वसूल करते हैं। जब यात्री टी. आर. सी. पहुंचते हैं तो उन्हें पहलगाम के लिए कोई साधन नहीं मिलता। अतः अधिकांश यात्री प्राइवेट टैक्सी द्वारा बालटाल पहुंचते हैं। यहां से गुफा तक पैदल यात्रा आरंभ होती है जो कि 10 कि.मी. लम्बी है और यहां पर सभी श्रद्धालु एकत्रित होते हैं, परन्तु वहां उनके ठहरने, नहाने-धाने एवं शौचालयों की कोई सुविधा नहीं है। केवल पब्लिक के द्वारा निजी तौर पर थोड़ी-बहुत सुविधा जरूर कर रखी है। बालटाल पर श्रद्धालुओं को 4-5 दिन तक रूकना पड़ता है लेकिन जम्मू-कश्मीर पुलिस के द्वारा कार्यवाही का केवल कोरा आश्वासन ही दिया जाता है। यात्रा प्रारंभ होने पर जहां एक तरफ गहरी खाई और ऊंचे पहाड़ हैं वहां चलने के लिए केवल 2 फुट चौड़ी पगडंडी मात्र है और कहीं-कहीं तो 2 आदमी भी साथ नहीं चल सकते। बड़े-बड़े पत्थरों से भरा यह रास्ता किसी भी तरह की सुविधाओं से हीन है। गुफा से 2 कि.मी. तक बाजार और दुकानों के कारण मुश्किल से 5 फुट के रास्ते से श्रद्धालुओं को गुजरना पड़ता है। सबसे बड़ी परेशानी शौचालयों का अभाव है। अतः पुरूष या महिला सभी को खुले में शौच करना पड़ता है जिससे वातावरण तो प्रदूषित होता है अपितु धार्मिक आस्था पर भी चौट लगती है। इतने बड़े तीर्थ स्थान पर जन सुविधाओं के अभाव के कारण हर वर्ष 50-60 श्रद्धालु मौत के मुह में समा जाते हैं।

मैं सुझाव देना चाहता हूँ कि जिस प्रकार वैष्णो देवी जाने के लिए पहाड़ों के बीच में से सुन्दर और चौड़ी सड़क बनाई गई है उसी प्रकार अमरनाथ यात्रा के लिए भी सड़क बनाई जानी चाहिए। टी. आर. सी. से एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन तक सुविधाओं को बढ़ाना चाहिए। श्रद्धालुओं को शौचालय एवं समुचित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रयास करने चाहिए।